न्यूज ब्रीफ

बीपीएस की छात्राओं को मिलेगी वर्चुअल लैब की सुविधा

गोहाना। बीपीएस महिला विवि की छात्राओं को अब वर्चुअल लैब की सुविधा मिलेगी। इसके लिए महिला विवि को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय से वर्चुअल लैब नोडल सेंटर मिल गया है। इंजीनियरिंग विभागों के अधिकारियों की प्राचार्य के साथ बैठक हुई। विवि के स्वावलंबन केंद्र की निदेशक व वर्चुअल लैब की इंस्टीट्यूट नोडल कोऑर्डिनेटर डॉ. अंशु भारद्वाज ने बताया कि लैब के लिए शिक्षा मंत्रालय के पोर्टल पर पंजीकरण किया गया था। अब मंजूरी मिल गई है। उन्होंने बताया कि वर्चुअल लैब से विवि के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी , इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग, एप्लाइड साइंसेज, फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ व महिला पॉलिटेक्निक संस्थान के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग और ऑफिस मैनेजमेंट की छात्राएं लाभान्वित होंगी। कुलपति प्रो. सुदेश ने आभार जताते कहा कि इससे छात्राओं को लाभ मिलेगा। इस मौके पर प्रो. विजय नेहरा, प्रो. सुनील सांगवान, प्रो. बीनू तंवर, डॉ. भूपेंद्र, डॉ. सोनल बेनीवाल, डॉ. प्रियंका व किरण जिंदल मौजूद रहे।

वर्चुअल लैब से विवि की हजारों छात्राओं को मिलेगा लाभ : प्रो. सुदेश

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय को शिक्षा मंत्रालय की तरफ से वर्चुअल लैब नोडल सेंटर मिला

हरिभूमि न्यूज ▸▸ गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि) को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की तरफ से वर्चुअल लैब नोडल सेंटर मिल गया है। इसके लिए विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने भारत सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वर्चुअल लैब से ग्रामीण अंचल में स्थित इस विवि में पढ़ने वाली हजारों छात्राओं को निश्चित रूप से लाभ मिलेगा।

कुलपति ने शुक्रवार को विवि के इंजीनियरिंग विभाग के सभी विभागाध्यक्ष व महिला बहुतकनीकी संस्थान के प्राचार्य के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि वर्चुअल लैब से महिला विवि की हर वो छात्रा लाभान्वित हो जिसके लिए यह लैब जरूरी है। इसके लिए विभागाध्यक्ष व्यक्तिगत रूप से रूचि लें और छात्राओं को वर्चुअल लैब के प्रयोग की ट्रेनिंग दें। प्रो. सुदेश ने कहा कि आज का समय पूर्ण रूप से तकनीक का है। हम जो भी कर रहे हैं उसका दस्तावेजीकरण होना भी जरूरी है। विवि के स्वावलम्ब केंद्र की निदेशक और वर्चुअल लैब की इंस्टीच्यूट नोडल को-ऑर्डिनेटर डॉ. अंशु भारद्वाज ने बताया कि शिक्षा मंत्रालय के पोर्टल पर लैब के लिए पंजीकरण किया था। इस लैब से विवि के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग, एप्लाइड साइंसेज, फिजिक्स, केमिस्ट्री, गणित व महिला बहुतकनीकी संस्थान के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग तथा ऑफिस मैनेजमेंट की छात्राएं लाभान्वित होंगी।

गोहाना। वर्चुअल लैब के प्रयोग से संबंधित बैठक लिए विवि की कुलपति प्रो. सुदेश। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

शिक्षकों को इस लैब की कार्यशैली के बारे में जागरूक करने के लिए शिक्षा मंत्रालय द्वारा महिला विवि में अगस्त महीने में एक कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। इसके सही प्रयोग के लिए विभाग स्तर पर को-ऑर्डिनेटर भी नियुक्त किए जाएंगे। बैठक में प्रो. विजय नेहरा, प्रो. सुशील सांगवान, प्रो. बीनू तंवर, डॉ. भूपेंद्र, डॉ. सोनल बेनीवाल, डॉ. प्रियंका व किरण जिंदल मौजूद रहे।

विभागाध्यक्ष इसमें रूचि लेकर छात्राओं को वर्चुअल लैब के प्रयोग की दे ट्रेनिंग : कुलपति

बैठक की अध्यक्षता करते कुलपति प्रो. सुदेश।

गोहाना, 23 मई (रामनिवास धीमान): खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की तरफ से वर्चुअल लैब नोडल सेंटर मिलने पर भारत सरकार का धन्यवाद करते हुए महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि वर्चुअल लैब से ग्रामीण आंचल में स्थित हमारे विश्वविद्यालय में पढ़ने वाली हजारों छात्राओं को निश्चित रूप से लाभ मिलेगा। कुलपति ने आज इंजीनियरिंग विभाग के सभी विभागाध्यक्ष व महिला पॉलिटेक्निक प्रिंसिपल के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि सभी विभागाध्यक्ष इसमें व्यक्तिगत रूप से रूचि लें। सभी छात्राओं को वर्चुअल लैब के प्रयोग की ट्रेनिंग दे। विश्वविद्यालय के स्वावलम्ब केंद्र की निदेशक और वर्चुअल लैब की इंस्टिट्यूट नोडल कोर्डिनेटर डॉ. अंशु भारद्वाज ने बताया कि इस लैब से विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग , सिविल इंजीनियरिंग, एप्लाइड साइंसेज, फिजिक्स, केमिस्ट्री , मैथ व महिला पॉलिटेक्निक संस्थान के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग , इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी , इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग तथा ऑफिस मैनेजमैंट की छात्राएं लाभान्वित होगी। बैठक में प्रो. विजय नेहरा, प्रो. सुनील सांगवान, प्रो. बीनू तंवर, डॉ. भूपेंदर, डॉ. सोनल बेनीवाल, डॉ. प्रियंका व किरण जिंदल मौजूद रहे।

पंजाब केसरी
SAT,24 MAY 2025
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 4

महिला विश्वविद्यालय को मिला वर्चुअल लैब नोडल सैंटर

वर्चुअल लैब नोडल सैंटर के लिए दिशा-निर्देश देते हुए प्रो. सुदेश। (अरोड़ा)

गोहाना, 23 मई (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की तरफ से वर्चुअल लैब नोडल सैंटर मिल गया है। वी.सी. प्रो सुदेश ने कहा कि वर्चुअल लैब से ग्रामीण अंचल में स्थित हमारे विश्वविद्यालय में पढ़ने वाली हजारों छात्राओं को निश्चित रूप से लाभ मिलेगा।

वी.सी. ने इंजीनियरिंग विभाग के सभी विभागाध्यक्ष और महिला पॉलिटैक्निक की प्रिंसीपल के साथ बैठक की।

उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि वर्चुअल लैब से महिला विश्वविद्यालय की हर वह छात्रा लाभान्वित हो जिसके लिए यह लैब जरूरी है। प्रो. सुदेश ने कहा कि आज का समय पूर्ण रूप से तकनीक का है, हम जो भी कर रहे हैं उसका दस्तावेजीकरण होना भी जरूरी है। अति आधुनिक तकनीक के साथ ही दस्तावेजीकरण संभव हो पाता है।

स्वावलम्ब केंद्र की निदेशक और वर्चुअल लैब की इंस्टीच्यूट नोडल को-आर्डिनेटर डॉ अंशु भारद्वाज के अनुसार शिक्षा मंत्रालय के पोर्टल पर इस लैब के लिए पंजीकरण किया गया था।

इस लैब से विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, इन्फार्मेशन टैक्नोलॉजी, इलैक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग, एप्लाइड साइंसेज, फिजिक्स, कैमिस्ट्री, मैथ्स, महिला पॉलिटैक्निक के कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, इन्फार्मेशन टैक्नोलॉजी, इलैक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग तथा ऑफिस मैनेजमैंट की छात्राएं लाभान्वित होंगी।

बैठक में प्रो. विजय नेहरा, प्रो. सुनील सांगवान, प्रो. वीनू तंवर, डॉ. भूपेंद्र सिंह, डॉ. सोनल बेनीवाल, डॉ. प्रियंका और किरण जिंदल मौजूद रहे।

महिला विश्वविद्यालय को मिला वर्चुअल लैब नोडल सेंटर

गोहाना मुद्रिका, 23 मई : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की तरफ से वर्चुअल लैब नोडल सेंटर मिल गया है।

वी.सी. प्रो सुदेश ने कहा कि वर्चुअल लैब से ग्रामीण अंचल में स्थित हमारे विश्वविद्यालय में पढ़ने वाली हजारों छात्राओं को निश्चित रूप से लाभ मिलेगा।

वी.सी. ने इंजीनियरिंग विभाग के सभी विभागाध्यक्ष और महिला पॉलिटेक्निक की प्रिंसिपल के साथ बैठक की।

उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि वर्चुअल लैब से महिला विश्वविद्यालय की हर वह छात्रा लाभान्वित हो जिसके लिए यह लैब जरूरी है।

प्रो. सुदेश ने कहा कि आज का समय पूर्ण रूप से तकनीक का है, हम जो भी कर रहे है उसका दस्तावेजीकरण होना भी जरूरी है।अति आधुनिक तकनीक के साथ ही दस्तावेजीकरण संभव हो पाता है।

स्वावलम्ब केंद्र की निदेशक और वर्चुअल लैब की इंस्टिट्यूट नोडल कोर्डिनेटर डॉ अंशु भारद्वाज के अनुसार शिक्षा मंत्रालय के पोर्टल पर इस लैब के लिए पंजीकरण किया गया था।

इस लैब से विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग, एप्लाइड साइंसेज, फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स, महिला पॉलिटेक्निक के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग तथा ऑफिस मैनेजमेंट की छात्राएं लाभान्वित होंगी।

बैठक में प्रो. विजय नेहरा, प्रो. सुनील सांगवान, प्रो वीनू तंवर, डॉ. भूपेंद्र सिंह, डॉ. सोनल बेनीवाल, डॉ. प्रियंका और किरण जिंदल मौजूद रहे।

CAMPUS NOTES

WOMEN'S VARSITY GETS VIRTUAL LAB

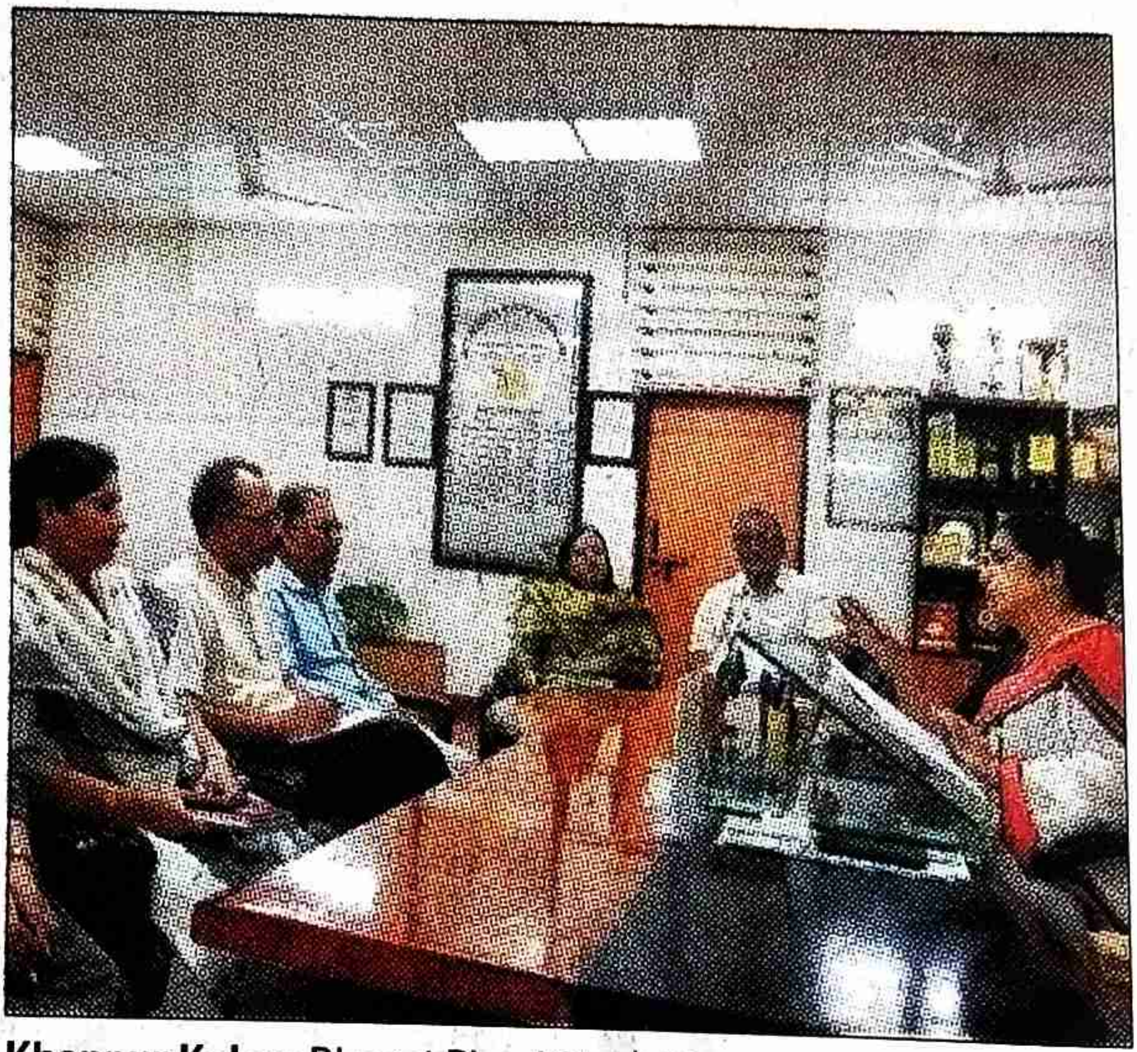

Khanpur Kalan: Bhagat Phool Singh Women's University has received a virtual lab nodal centre from the Ministry of Education, Government of India. Vice-Chancellor Sudesh said thousands of girl students studying at the university would benefit from the virtual lab. The Vice-Chancellor held a meeting with all department heads and said it should be ensured that every student of the university benefitted from the virtual lab. The VC said it is necessary to document the operations of the lab, which was possible only with ultra-modern technology. Swavalamba Centre Director and Institute Nodal Coordinator for the virtual lab Dr Anshu Bhardwaj said the lab would benefit students. To make the teachers aware about the working style of this lab, a workshop would be organised in August at the varsity by the Ministry of Education, she added.

विश्वविद्यालय की छात्राओं को मिलेगी वर्चुअल लैब सुविधा

वर्चुअल लैब के प्रयोग से संबंधित बैठक में कुलपति प्रो. सुदेश और अन्य अधिकारी •

वि., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की तरफ से वर्चुअल लैब नोडल सेंटर मिल गया है। जल्द छात्राओं को लैब की सुविधा मिलेगी।

कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि वर्चुअल लैब से ग्रामीण अंचल में स्थित विश्वविद्यालय पढ़ने वाली हजारों छात्राओं को लाभ मिलेगा। कुलपति ने इंजीनियरिंग विभाग के सभी विभागाध्यक्ष व महिला बहुतकनीकी संस्थान के प्राचार्य के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि वर्चुअल लैब से विश्वविद्यालय की हर वो छात्रा लाभान्वित हो जिसके लिए यह लैब जरूरी है।

विवि में लैब की इंस्टीट्यूट नोडल समन्वयक डा. अंशु भारद्वाज के अनुसार लैब से कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, इन्फार्मेशन टेक्नोलाजी, इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग समेत दूसरे संस्थानों की छात्राएं लाभान्वित होंगी। शिक्षकों को लैब की कार्यशैली के बारे में जागरूक करने के लिए मंत्रालय द्वारा अगस्त में कार्यशाला आयोजित की जाएगी। बैठक में प्रो. विजय नेहरा, प्रो. सुनील सांगवान, प्रो. बीनू तंवर, डा. भूपेंद्र, डा. सोनल बेनीवाल, डा. प्रियंका, किरण जिंदल रहे।